हरिभूमि

रोहतक भूमि

रोहतक, सोमवार, 23 जून 2025

तापमान

अधिकतम 36 .0 डिग्री
न्यूनतम 26 .3 डिग्री

10 गौकर्ण तीर्थ में नौका विहार उत्सव मनाया गया

11 माता परमेश्वरी देवी जी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

रेलवे आरक्षण केंद्र पर तत्काल टिकट के समय रिटर्न टिकट पर रोक, यात्री नाराज

■ रेलवे ने एजेंटों की फर्जी बुकिंग रोकने के लिए लिया बड़ा निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रेलवे स्टेशन के आरक्षण केंद्र में इन दिनों तत्काल टिकट के समय रिटर्न टिकट जारी नहीं की जा रही है। इस निर्णय से आम यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार तो लोग घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद खाली हाथ लौटने को मजबूर हो रहे हैं। वहीं, रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह कदम एजेंटों की टिकटों में हेराफेरी रोकने के लिए उठाया गया है। ताकि जरूरतमंद लोगों को ही टिकट मिल सकें।

■ रेलवे सूत्रों के अनुसार कुछ टिकट एजेंट लंबे समय से जालसाजी से टिकटें रोहतक से बुक कर रहे थे

रेलवे सूत्रों के अनुसार, कुछ टिकट एजेंट लंबे समय से एक जालसाजी पद्धति के तहत दूरस्थ स्टेशनों की टिकटें रोहतक से बुक कर रहे थे। उदाहरण के लिए, दिल्ली से गुवाहाटी की यात्रा करने वाले यात्री की टिकट भी रोहतक से बनवाई जा रही थी, ताकि वह एजेंट को अनचेक तरीके से टिकट उपलब्ध करवा सके। चूंकि तत्काल टिकट की हार्ड कॉपी (प्रिंटेड टिकट) जरूरी होती है, इसलिए एजेंटों को इसके लिए आरक्षण केंद्र की मदद लेनी पड़ती थी। रेलवे विभाग ने इस गैर-कानूनी गतिविधि पर लगाम लगाने के उद्देश्य से तत्काल बुकिंग के दौरान रिटर्न टिकट जारी करने की सुविधा अस्थायी रूप से बंद कर दी है। अधिकारियों का मानना है कि इससे फर्जी बुकिंग और टिकटों की दलाली में कमी आएगी और जरूरतमंद यात्रियों को प्राथमिकता के आधार पर टिकट मिल सकेंगे। हालांकि, इस निर्णय से आम यात्रियों में भारी नाराजगी है।

पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उठाया कदम

रेलवे अधिकारी इस नई व्यवस्था को एजेंटों की मनमानी पर लगाम का उपाय मान रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि, हमने तत्काल टिकटों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया है। रिटर्न टिकट बंद करने का उद्देश्य सिर्फ यही है कि एजेंटों की मिलीभगत से हो रही बुकिंग पर रोक लग सके। जरूरतमंद को ही तत्काल टिकट मिल सके, यही हमारी प्राथमिकता है। हालांकि यात्रियों की सुविधा और असुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि वह जल्द ही वैकल्पिक और संतुलित समाधान प्रस्तुत करेगा, जिससे न तो एजेंटों को छूट मिले और न ही आम जनता को परेशानी झेलनी पड़े।

सुविधा जल्द, सही यात्री को ही टिकट मिलेगी

यात्रियों की सुविधा को देखते हुए ही यह कदम उठाया गया है। बहुत बार इस तरह की शिकायतों को देखते हुए यह काम किया है। विजिलेंस की टीम भी पिछले वर्ष रिकार्ड चैक कर चुकी है। हालांकि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। जल्द सुविधा शुरू होगी और जरूरतमंद को ही अपनी टिकट मिलेगी।

-संजीव सहगल, कमर्शियल मैनेजमेंट इंस्पेक्टर, रेलवे

...दोबारा लाइन में लगना पड़ेगा

उनका कहना है कि रिटर्न टिकट की सुविधा बंद कर देने से उन्हें अनावश्यक रूप से दोबारा लाइन में लगना पड़ता है। कुछ यात्रियों ने यह भी आरोप लगाया कि तत्काल टिकट के समय केवल एक ही काउंटर खुला होता है, जबकि मांग अधिक होने पर भी कभी-कभी ही दूसरा काउंटर खोला जाता है।यात्री सुरेश कुमार का कहना है, मैं काम के सिलसिले में अक्सर दिल्ली और वापस आता हूं। अब रिटर्न टिकट नहीं मिलती, तो दोबारा लाइन में लगना पड़ता है। इससे समय की बहुत बर्बादी होती है।एक अन्य यात्री सीमा रानी ने कहा, महिलाओं के लिए तो ये और भी मुश्किल हो जाता है। हमें दो-दो बार लाइन में लगना पड़ता है। सुविधा की जगह असुविधा हो रही है।

विजिलेंस ने की थी कार्रवाई

इस व्यवस्था की खामियों को लेकर पूर्व में रेलवे विजिलेंस द्वारा कार्रवाई भी की जा चुकी है। जानकारी के अनुसार, पिछले एक वर्ष में दो बार रोहतक आरक्षण केंद्र पर विजिलेंस टीम द्वारा छापेमारी की गई थी। वहीं, झज्जर में टिकट घोटाले के चलते एक कर्मचारी को निलंबित भी किया गया था।

खबर संक्षेप

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में सत्र 2024-2025 में स्नातक पाठ्यक्रमों बीए अंग्रेजी, बीबीए तथा बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स पेंटिंग की में एडमिशन के लिए रविवार को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि बीए अंग्रेजी की प्रवेश परीक्षा सुबह 10 बजे से 11.15 बजे तक आयोजित की गई, जिसमें 261 अभ्यर्थी परीक्षा ने बैठे तथा 74 एबसेंट रहें। बीबीए की प्रवेश परीक्षा दोपहर 12.30 बजे से 1.45 बजे तक आयोजित की गई, जिसमें 503 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 116 एबसेंट रहे। चलर ऑफ फाइन आर्ट्स पेंटिंग की प्रवेश परीक्षा अपराह्न 3 बजे से शाम 4.15 बजे तक आयोजित की गई, जिसमें 100 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 38 एबसेंट रहे।परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि 23 जून को बीए इतिहास तथा एलएलबी पंच वर्षीय (यूटीडी तथा एमडीयू-सीपीएएस, गुरुग्राम) की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

वर्कशॉप में फोटोग्राफी की सिखाई बारीकियां

रोहतक। शहर के एक प्रतिष्ठित संस्थान मे रोहतक के फोटोग्राफर्स की कला को निखारने के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय स्तर के मैंटर ने दिल्ली से आकर फोटोग्राफर्स को कैमरे की नई तकनीको से रूबरू करवाया। इस पर रोहतक फोटोग्राफर संघ द्वारा उन्हे फोटोग्राफी गुरु का नाम देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे सीटीएम अंकित कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप मे भाग लेकर सभी फोटोग्राफर का मनोबल बढ़ाया। फोटोग्राफर संघ के 125 लोगो ने भाग लिया और गंभीरता से नई तकनीको को समझा और वर्कशॉप मे प्रश्नोत्री कार्यक्रम मे फोटोग्राफर्स ने उन बिन्दुओ को समझा। कार्यक्रम के दौरान कई प्रतिभावान फोटोग्राफर्स को स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के आयोजक संघ के अध्यक्ष ने सबका आभार जताया।

वुडबाल इंडिया कैंपः थाईलैंड और इंडोनेशिया वर्ल्ड कप के लिए खिलाड़ी तैयार

रोहतक। वुडबाल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सौजन्य से और हरियाणा वुडबाल संघ के तत्वावधान में आयोजित इंडिया टीम चयन एवं प्रशिक्षण शिविर अपने निर्णायक चरण में पहुंच चुका है। रोहतक के जेड ग्लोबल स्कूल के प्रांगण में चल रहे इस पांच दिवसीय चयन शिविर के चौथे दिन, देशभर से आए 60 से अधिक खिलाड़ी लड़के और लड़कियां अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने में जुटे रहे। अभ्यास सत्र में खिलाड़ियों ने अलग-अलग इवेंट्स में भाग लेते हुए तकनीकी बारीकियों को सीखा। प्रशिक्षण देने वालों में वुडबाल के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ नम्रता सिंह, भरत पटेल, पीयूष खोपे, देवपूजन ठाकुर और गुर शामिल रहे। चौथे दिन के मुख्य अतिथि के रूप में आबकारी एवं कराधान आयुक्त चरनजीत सिंह ने शिरकत की। उनका स्वागत हरियाणा वुडबाल संघ के अध्यक्ष राजीव दलाल द्वारा पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। इस कैंप के माध्यम से थाईलैंड में आयोजित होने वाले वर्ल्ड बीच कप और इंडोनेशिया में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए इंडियन वुडबाल टीम का चयन किया जा रहा है। जिसमें अजय सोनटके महासचिव, वुडबाल एसोसिएशन ऑफ इंडिया, प्रवीण मानवेटकर अंतराष्ट्रीय कोच और कोषाध्यक्ष अजय सिंह मीणा, रॉबिन थालिया, देव बल्हारा सुरेश राठी खेल निदेशक सहित अन्य मौजूद रहे।

एमडीयू ने डीएलएसी-सुपवा को टी ट्वेंटी में 22 रन के अंतर से हराया

■ कुलसचिव डा. कृष्णकांत ने बतौर मुख्यातिथि मैच का किया शुभारंभ

■ आलराउंडर प्रदर्शन के चलते नरेन्द्र शीलक बने मैन ऑफ द मैच

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सरदार वल्लभ भाई पटेल क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को एमडीयू एम्प्लाइज क्रिकेट टीम तथा दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसी-सुपवा) की एम्प्लाइज क्रिकेट टीम के बीच टी-ट्वेंटी मैच का आयोजन किया गया, जिसमें एमडीयू की टीम ने डीएलसी-सुपवा की टीम को 22 रनों से हराते हुए मैच अपने नाम किया। एमडीयू टीम के कप्तान नरेन्द्र शीलक ऑलराउंड प्रदर्शन के चलते मैन ऑफ द मैच बने।एमडीयू कुलसचिव डा. कृष्णकांत ने बतौर मुख्यातिथि इस क्रिकेट मैच का शुभारंभ किया। डा. कृष्णकांत ने कहा कि विवि कर्मियों में खेल संस्कृति विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन पूरा प्रोत्साहन दे रहा है। उन्होंने कहा कि खेलों से जहां कर्मियों को स्वास्थ्य लाभ होता है, वहीं उनके कामकाज की क्षमता भी विकसित होती है। डा. कृष्णकांत ने कहा कि खेल जीवन की हार से लडन्ना सीखाते हैं, मानसिक तौर पर मजबूत बनाते हैं। उन्होंने दोनों टीमों को बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया और अपनी शुभकामनाएं दी।एमडीयू खेल निदेशक डा. शकुंतला बेनीवाल तथा डीएलसी-सुपवा के खेल निदेशक डा. नीरज मलिक ने बतौर विशिष्ट अतिथि इस खेल प्रतियोगिता में शिरकत की ।

एमडीयू के शिक्षा विभाग में चार वर्षीय इंटिग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम में प्रवेश प्रक्रिया जारी

■ एक ही कोर्स में स्नातक व शिक्षा स्नातक की मिलेगी डिग्री

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत चार वर्षीय इंटिग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के अंतर्गत बीए-बीएड एवं बीकॉम-बीएड पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। यह नवाचारपूर्ण एवं रोजगारपरक कार्यक्रम विद्यार्थियों को केवल चार वर्षों में प्रशिक्षित शिक्षक बनाकर रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करता है। एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि यह पाठ्यक्रम गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि यह कोर्स न केवल समय की बचत करेगा, बल्कि युवाओं को शिक्षा क्षेत्र में दक्षता के साथ शीघ्र रोजगार प्राप्त करने में भी सहायक होगा, साथ ही शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता और दक्षता को बढ़ावा देगा। शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डा. माधुरी हुड्डा ने जानकारी दी कि चार वर्षीय इंटिग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम(आईटीईपी) के अंतर्गत बीए-बीएड एवं बीकॉम-बीएड पाठ्यक्रमों में समावेशी शिक्षा, डिजिटल शिक्षण तकनीक, व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं आधुनिक शिक्षण कौशल पर विशेष बल दिया गया है।

यह पाठ्यक्रम भविष्य के शिक्षकों को न केवल शैक्षणिक रूप से सक्षम बनाएगा, बल्कि उन्हें विद्यालयों की नई चुनौतियों का सामना करने के लिए व्यावहारिक रूप से भी तैयार करेगा। बीए-बीएड एवं बीकॉम-बीएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एडमिशन प्रक्रिया जारी है। 12वीं पास अभ्यर्थी इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 7 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। पात्रता, आवेदन करने की प्रक्रिया समेत अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

पढ़ाई के बाद मिलेगा रोजगार

प्रो. राजबीर सिंह

विभाग की अध्यक्ष डा. माधुरी हुड्डा ने बताया कि पाठ्यक्रम की विशेषता- यह पाठ्यक्रम उन छात्रों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है जो शिक्षण क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं और एक ही कोर्स के अंतर्गत स्नातक व शिक्षा स्नातक की डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं। चार वर्षीय यह इंटीग्रेटेड कोर्स पारंपरिक प्रणाली की तुलना में एक वर्ष की बचत करता है, जिससे छात्र जल्द ही रोजगार की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

डॉ. माधुरी हुड्डा

लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी ने 13 को भिवानी में आयोजित होने वाले गुरु दक्ष जयंती समारोह को लेकर ली बैठक

सरकार ने वंचित और कमजोर वर्ग के लोगों को दिलवाए उनके हक : गंगवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

■ गुरु दक्ष जयंती समारोह का न्योता दिया, कार्यक्रम में 50 हजार लोगों के पहुंचने की संभावना

■ सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि आरक्षित पदों पर केवल आरक्षित वर्ग के युवाओं की भर्ती होगी

■ प्रदेश का एक समान विकास कर रही सरकार, पारदर्शिता व जवाबदेही भी सुनिश्चित की गई

प्रदेश के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में समाज के वंचित वर्ग के लोगों को उनका हक दिलाने का काम किया है। गंगवा रविवार को सिंचाई विश्राम गृह में 13 जुलाई को भिवानी में आयोजित होने वाली गुरु दक्ष जयंती समारोह को लेकर आयोजित समाज की बैठक के उपरांत मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रहे थे।

■ मंत्री बोले- पिछली सरकारों ने अनुसूचित जातियों व पिछड़े वर्ग के साथ किया अन्याय

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के समय अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग की आरक्षित सीटों को यह कह कर खाली छोड़ दिया जाता था कि इन पदों के लिए कोई योग्य उम्मीदवार नहीं मिला है। लेकिन बाद में इन पदों पर बैकडोर से भर्ती कर दी जाती थी। परिणाम स्वरूप बैक लोग बढ़ता चला गया। कैबिनेट मंत्री ने एक सवाल के जवाब ने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान अनुसूचित जाति व पिछड़ा वर्ग के लोगों के साथ में न केवल अन्याय हुआ, बल्कि अनेक कांड भी हुए जिसके कारण लोगों को गांव से पलायन करना पड़ा। लेकिन भाजपा की सरकार ने समाज के कमजोर व वंचित वर्ग के लोगों का पुनर्वास करवाने का काम किया। मौजूदा राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि आरक्षित पदों पर केवल आरक्षित वर्ग के नौजवानों की ही भर्ती होगी। भर्तियों में बीसी-ए को 16 प्रतिशत तथा बीसी-बी को 11 प्रतिशत आरक्षण का लाभ सुनिश्चित किया गया है।

रोहतक। सिंचाई विश्राम गृह में गणमान्य लोगों की मीटिंग लेते कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा।

मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि राज्य सरकार की संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार- प्रसार योजना के तहत 13 जुलाई को भिवानी में राज्य स्तरीय गुरु दक्ष जयंती समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

कार्यक्रम में मंत्री व विधायकों तथा गणमान्य लोगों सहित हजारों की संख्या में भाग लेंगे। योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा संत कबीर जयंती, भगवान परशुराम जयंती, कश्यप जयंती, भगत धन्ना सेठ जयंती, वाल्मीकि जयंती व रविदास जयंती आदि मनाई जा चुकी है और यह सिलसिला लगातार जारी है। कार्यक्रम में 50 हजार लोगों के पहुंचने का अनुमान है।

मेरिट के आधार पर दी नौकरियां

उन्होंने कहा कि समाज का वंचित वर्ग बेहद मेहनती है। लेकिन पिछली सरकारों के दौरान सिफारिशों के चलते योग्य नौजवानों को नौकरी नहीं मिलती थी। लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बिना पर्ची व बिना खर्ची के मेरिट के आधार पर नौकरियां देने की व्यवस्था की। मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस व्यवस्था को मजबूती के साथ बनाए हुए हैं। पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को उसके अधिकार व हक दिलाए जा रहे हैं। प्रदेश की जनता सरकार के कार्यों से प्रसन्न है।

पुरानी तहसील परिसर में खुला पड़ा मैनहॉल, हो सकता है हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

■ मैनहॉल पर नहीं लगाया जा रहा ढक्कन, जिम्मेवारी से पल्ला झाड़ रहे अधिकारी

महम की पुरानी तहसील परिसर में सीवरेज लाइन का मैनहॉल खुला पड़ा है। कई दिन पूर्व मेनहॉल का ढक्कन टूट गया था। उसके बाद से यह सीवर का हॉल खुला पड़ा है। खुला पड़ा मैनहॉल हादसों को न्योता दे रहा है। यह खुला मेनहॉल रास्ते के बीच में है। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्टाफ और खंड के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक रोजाना इसी मैनहॉल के पास से गुजरते हैं। पास में ही वकीलों के चैंबर बने हुए हैं। दिनभर वकीलों और उनके मुवक्किलों का आना जाना लगा रहता है।

बार एसोसिएशन महम के पूर्व प्रधान रोहतास राठी, वेदप्रकाश अहलावत, अशोक सिवाच और अजायब गांव के पूर्व सरपंच समुंद्र सिंह ने बताया कि बीच रास्ते में खुला पड़ा यह मेनहॉल किसी व्यक्ति की जान भी ले सकता है। यदि थोड़ा सा ध्यान भटक गया तो इस सीवर में व्यक्ति गिर जाएगा।

महम। खुले पड़े सीवर के मैनहॉल को दिखाते बार एसोसिएशन के सदस्य।

उपायुक्त से सुध लेने की अपील

एडवोकेट रोहतक राठी ने बताया कि इस सीवर पर ढक्कन लगाने के लिए उसने नगर पालिका, पीडब्ल्यूडी विभाग और जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को शिकायत की थी। लेकिन इस सीवर के ढक्कन को लगाने के लिए कोई भी विभाग जिम्मेवारी लेने को तैयार नहीं है। सभी विभाग एक दूसरे का नाम लेकर जिम्मेवारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। वकीलों और आम नागरिकों ने जिला उपायुक्त से समस्या का समाधान करने की मांग की हैं। वकीलों ने कहा है कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया और कोई हादसा हो गया तो इसका क्लेम संबंधित विभाग के अधिकारियों पर डाला जाएगा।

जुम्मन जब हज करने गए थे, तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है। **- मुंशी प्रेमचंद**

"इतना फिजूल पैसा नहीं है हमारे पास उड़ाने को! मनु की नई नौकरी है। दिल्ली में उसकी गृहस्थी का सब खर्च उठाने में ही कमर टूटी जाती है। फिर प्रदीप की ठेकेदारी में भी अभी कुछ मुनाफा नहीं होता। अकेले पापा के वेतन में तुम्हारे बी.एड. के लिए गड्डियाँ कहाँ से लायें! अगले साल तुम्हारी भी तो शादी करनी है। वो तो अच्छा हुआ शादी का मुहूर्त इस साल टल गया, मंगल दोष के कारण।

फिर भी दीप्ति ने बी.एड. की प्रवेश परीक्षा दी और उसे दाखिला भी मिल गया। पिता को किसी तरह मनाया। पिता यों माँ और बेटों के सामने कुछ न बोलते थे लेकिन घर में अगर कोई वाकई प्रगतिशील सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही।

कहानी

इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

गृहणियां अक्सर एक ग्लॉरीफ़ाइड नौकरानी भर रह जाती हैं!

दुल्हन भाभी का सूटकेस बेड पर खोल कर, ब्याह में आई सभी ननदें घेरा बनाकर बैठ गईं।

"अरे ! ये बैंगल बॉक्स तो कितना सुंदर है! और कंगनों के सेट भी इसके अंदर जैसे बहुत खोजकर सजाए हैं। ये गुलाबी तो चूड़ियां हैं कि मोतियों की लड़ियां ?"

मँझली बुआ सास की बेटी कहती है "ये मेरा अपने आप को शादी का गिफ्ट है। इसे तैयार करने में बाज़ार के कितने चक्कर लगाने पड़े !"

"ये तो अब मेरा हुआ !" सगी ननद चंचल ने पूरा बॉक्स उठा लिया और बंद कर, बाँह के नीचे दबा लिया।

"अरे! अरे ! कहाँ उड़ाये लिए जाती हो ? नज़र भर देखने तो दो !" छोटी बुआ श्रद्धा कहती हैं जो उम्र में विवाहित ननदों से कुछ ही बड़ी थीं और इसी गुट में डटी रहती थीं। चिढ़ने वाली पाहुनी मौसी सास सुबह ही कह रही थीं, "सींग कटाकर बछड़ों में शामिल!"

श्रद्धा बुआ टोकती ही रह गईं और चंचल ये जा वो जा! वे कोई फड़कता हुआ व्यंग्य करतीं लेकिन तभी उनका ध्यान दुल्हन की दूसरी ब्याहता ननद कंचन पर गया जो सूटकेस को ऐसे उलट-पुलट रही थी जैसे चंचल का मुनाफा उसका नुकसान है। अब इससे भी ज्यादा मुनाफा न हो तो लानत है उसकी चतुराई पर।

"ये सिंदूरी साड़ी मैं लूँगी !"

सूटकेस में जो सबसे मूल्यवान बनारसी साड़ी दिख रही थी, बड़ी ननद कंचन ने वो निकाल कर तुरंत अपने बैग में डाल दी। बगल में चचेरी-ममेरी-फुफेरी ननदें, दुल्हन को सुन-सुनाकर फुसफुसाती रहीं, "ये दोनों कितनी लालची हैं !"

"अरे ! अभी तो बस इनका ही रंग देखा है बहू ने; इनकी माँ का नहीं देखा !"

...और माँ वेणी वाकई बेटियों चंचल और कंचन से दो कदम आगे थी !

शाम को बहू से कहा, "अरे, शादी में कितनी अंगूठियाँ मिली हैं जरा उतार कर दो तो; पाहुनियों को दिखानी हैं।"

बहू ने छह अंगूठियाँ उतार कर दे दीं। सास बाहर ले गई और थोड़ी देर बाद लौटा ले आई।

"लो पहन लो, अपनी अगूठियाँ।"

बहू देख रही है; छह अंगूठियाँ लेकर गई थीं, पाँच लौटा रही हैं सो भी एक-एक को गौर से देखती-तोलती-सी।

क्या वो कह दे कि एक अंगूठी कम है? एकाएक चोरी का इल्जाम कैसे लगा दे ऐसे ! सोच रही थी कि रात में पति योगेश से बात करेगी।

लेकिन यहाँ तो ये हाल था कि लंका के छोटे वीर, वे भी उनचास हाथ के! वही सोने की अंगूठी पतिदेव ने दीप्ति को घूँघट उठाते समय पहना दी।

...उसका दिल टूट गया !

कैसी धूर्त ससुराल मिली है ! लेकिन अब पैरों के नीचे की ज़मीन यही है; मायके में तो अम्मा ने कभी महसूस ही न होने दिया कि दोनों भाई-भाभियों के अलावा भी वो घर किसी का है! शादी से बरस भर पहले जब बी.एड. की उसकी फीस का सवाल था तो उन्होंने साफ मना कर दिया था,

"इतना फिजूल पैसा नहीं है हमारे पास उड़ाने को! मनु की नई नौकरी है। दिल्ली में उसकी गृहस्थी का सब खर्च उठाने में ही कमर टूटी जाती है। फिर प्रदीप की ठेकेदारी में भी अभी कुछ मुनाफा नहीं होता। अकेले पापा के वेतन में तुम्हारे बी.एड. के लिए गड्डियाँ कहाँ से लायें! अगले साल तुम्हारी भी तो शादी करनी है। वो तो अच्छा हुआ शादी का मुहूर्त इस साल टल गया, मंगल दोष के कारण। मायके से बी.ए. पास करके जा रही हो; इतना भी बहुत है! आगे और जो अरमान हों, अपने घर जाकर पूरे करना। और इस साल तो वैसे भी मेरा घुटने का ऑपरेशन है। तुम कॉलेज जाओगी तो घर का सब काम कौन करेगा ? बड़ी बहू दिल्ली में, छोटी अपने बच्चों में उलझी रहती है। ऐसा करो अब ये पढ़ाई-वढ़ाई बंद करो। और इस साल मन लगाकर घर-गृहस्थी सीखो! हर समय हाथ में किताब लिए फिरती हो। रसोई में मन लगाओ ! कल को ससुराल जाओगी तो क्या हमारी नाक कटाओगी !"

लेकिन फिर भी दीप्ति ने बी.एड. की प्रवेश परीक्षा दी और उसे दाखिला भी मिल गया। पिता को किसी तरह मनाया। पिता यों माँ और बेटों के सामने कुछ न बोलते थे लेकिन घर में अगर कोई वाकई प्रगतिशील सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही, कॉलेज भी जाती रही और भावी ससुराल जाने की तैयारियाँ भी साथ-साथ चलती रहीं। भाभियाँ आपस में कहतीं, "कितनी चंट है ये लड़की ! अम्मा हज़ार काम बताती रहें, ये अपनी पढ़ाई-लिखाई, अपनी तरक्की नहीं छोड़ती!"

"हूँह! लेकिन तरक्की का सब खर्चा अभी तो मायके वालों के सिर है सो दीप्ति बिन्नू की पौ बारह है! बी.एड. के पहले साल के ये दोनों सेमिस्टर तो हो जाएंगे। अगले साल देखेंगे, ससुराल वाले फाइनल की फीस भरेंगे कि नहीं ! चालीस हज़ार कोई कम रकम तो नहीं होती !"

"फीस क्यों न भरेंगे ? पढ़ लिखकर बहूरानी नौकरी करेगी ! क्या ही पता, सरकारी नौकरी लग जाए ! सोने की मुर्गी को भला कौन नहीं चाहता !"

"अभी नहीं बनी सोने की मुर्गी; अभी तो चूज़ा है ! अभी तो खर्चा ही खर्चा है। और रुपये की जड़ कलेजे में होती है। पता नहीं, उन लोगों की मंशा क्या निकले ? वे आगे पढ़ाएंगे भी कि नहीं ? नौकरी तो बाद की बात है। सुनते हैं, होने वाली सास तो बहुत ही तेज़ है। ब्याहता ननदों का भी बड़ा दखल है घर में।"

शादी के समय दीप्ति को भी यही चिंता थी। "आगे मेरी बी.एड. फाइनल की फीस का क्या होगा ?"

नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी। पर इसमें क्या नया है ? ससुराल वाले नई बहू से नौकरानी जैसा ही बर्ताव तो करते हैं। सोच ये रहती है कि शुरू में ही दबा लो फिर पूरी जिंदगी सुख से सेवा करवाओ। नहीं तो, जो शुरू में सिर पर चढ़ गई तो उम्र भर नाचेगी नहीं बल्कि नचाएगी! दीप्ति लेकिन अपने लिए एक ऐसा भविष्य देखती है जो आसपास के माहौल से हटकर है। वो पति की साथी बनना चाहती है; बूढ़े सास-ससुर का सहारा। इसके अलावा, उसका अपना एक जीवन हो, पहचान हो, आत्म निर्भरता हो और सबसे बढ़कर सम्मान हो!

दीप्ति पीतल का टेबल लैम्प और गमले नींबू, राख और दही से साफ कर रही है। बैठक की हर चीज़ अब तक वो ही साफ करती रही थी। अपनी सोच में गुम है, क्या अम्मा से बात करे या पापा से ही फिर कहे! बड़े भैया को भी तो फोन कर सकती है दिल्ली। उनकी तो सरकारी नौकरी है फिर भी तो खर्च खेती और पापा की पेंशन से उठता है। क्या छोटी बहन को इतना भी न दे सकेंगे? जब बी.एड. के बाद उसकी नौकरी लगेगी तो चुका देगी। ये बात तो वो प्रदीप भैया से भी कह सकती है। अभी ही तो भाभी दिखा रही थीं उसे अपना नया लॉकेट, जो कहने को तो वे अपने मायके से लाई हैं; लेकिन वो असलियत जानती है कि भैया ने उन्हें बनवा कर दिया है!

लैम्प और गमले सब धो-माँजकर उसने एक ओर टिका दिए धूप में, हमेशा की तरह; और बैठक में जाकर बल्ब, डोरी, प्लग लाने चली गई ताकि उसे लैम्प में फिर से फिट कर सके। लौटकर देखती है कि पीतल का सब सामान गायब!

"अरे अम्मा ! लैम्प, गमले सब कहाँ गए ?"

"तुम्हारी भाभी ले गई अपने कमरे में ?"

"क्यों ?"

"ले जाने दे; तू क्यों पूछती है? क्या अपने घर ले जाने की मंशा थी ?"

ये इल्जाम! दीप्ति का दिल फिर टूट गया। आगे उसका यहाँ आना मेहमानों-सा रह गया। जब भी आती, अम्मा चिंतित-सी होकर पापा से पूछती, "दीप्ति को कितने की विदाई देनी है ?"

- क्रमश...

कविता

अरुण आशरी

व्यथा एक पेड़ की

खुले आसमान तले
मैं भी कभी इतराता था
ऊँचा उठने की होड़ में
पूरी गर्मी झेल जाता था
मेरी छाँव तले
कितने ही मुसाफिर
राहत की साँस ले पाते थे
मन ही मन
शुक्रिया अदा कर
आगे बढ़ जाते थे ,
बच्चे भी नादानियों की
बरसात लेकर आते थे
तरह-तरह के खेल खेलकर
मेरे सर तक चढ़ जाते थे
कभी मेरी बाँहों की डाल पर झूलते
कभी झूलते-झूलते
जमीं पर कूदते
आनंद की सीमा भी लांघ जाते थे
तब कहीं जाकर अपने घर जाते थे
मैं भी रात को ही
चैन की नींद ले पाता था
मन ही मन अपने भग्य पर इतराता था
अगली सुबह फिर
नई ताजगी के संग उठ जाता था,
इंसान भी,
जहाँ मेरे जैसे पेड़ों का झुण्ड पाता था
सुन्दर, मनोहर जैसे शब्दों से
मुझे अलंकृत कर जाता था
और फिर घर भी वहीं बनाता था ।
आज वही इंसान
जहाँ कहीं भी
मेरे जैसे पेड़ों का झुण्ड पाता है
सबसे पहले उन्हें कटवाता है
फीते से जगह नपवाता है
बहुत सुन्दर जगह का
अलंकरण अब भी दे जाता है
पर घर वहीं बनाता है ।
प्रदूषण का खंजर
अब मेरे खून से सनाँ है
मेरी अब की हालत
कुछ इस तरह बयाँ है,
कोई भी मुसाफिर
अब यहाँ नहीं आता है ,
बच्चा भी बस
दूर से ही देख चला जाता है ।
प्रदूषण की मार
इस क़दर मुझे रुला गई,
मुझे भी इक बात समझ में आ गई,
खुले आसमान तले भी मैं,
इक पिंजरे में बंद हूँ,
जब लोग दिल में दिमाग रखते हैं,
तो मैं कहाँ का अक्लामन्द हूँ।

गीत

डॉ. पंकज गौड़

हे युवा स्वयं का निर्माण कर

बंद कर छद्म युद्ध,शांति से बनेगा बुद्ध
हर धर्म के प्रति,मन में मान भर
जान ले तू,खुद को,वीरता समुद्र को
हे युवा स्वयं का निर्माण कर !

आंसू ले गरीब के,जुल्म मिटा करीब के
झोपड़ी में दीप का तू दान कर।
खेत के किसान को,सीमा पे जवान को
हर घड़ी हृदय से रख,सलाम कर।

खुद,खुद से युद्ध कर,आत्मा को शुद्ध कर
ज्ञान से तमस हटा,अलख जगा।
ज्ञात से अज्ञात तक,रात से प्रभात तक
साथ दें, हमकदम गले लगा।

जुल्म की है इंतिहा,रास्ते कठिन तो क्या
हर नगर;डगर नया गुमान दे।
कोई कहीं से गया,तुझे उससे क्या गिला
नित्य नव्य पंथ तू निकाल ले।

दर-दर की हर खबर रखते हो तुम मगर
दीप क्यों बुझे है स्वाभिमान के ?
रक्त मांगती धरा,बुत ना हो, नजर मिला
हो प्रसन्न प्राण अपने वार कर।

अथाह की तू थाह ले,चाही अपनी राह ले
उधार के विचार नहीं काम के।
खोज के जतन से,मौज से; मनन से
हे युवा स्वयं का निर्माण कर !

लघुकथा

सविता गोयल

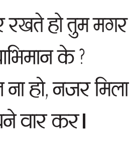

तपन

काका, इतनी भरी दोपहरी में कहाँ जा रहे हो ? बाहर लू चल रही है, बीमार हो जाओगे ।

'बिटवा, जब घर में चूल्हा ठंडा पड़ा हो तो ये सर्दी-गरमी कहाँ हमरे बदन को छूवत है । पेट की आग बुझावे के खातिर बदन को थोड़ा तपाने में का हरज है । दो पैसा कमाकर घर में लाएंगे तो घर में चूल्हा जलेगा । बच्चा लोग का पेट में रोटी और चेहरा पर शांति देखेंगे तो ई सारी तपन ठंडी हो जावेगी। , कहते हुए उस झुलसती दोपहरी में भी रघु काका ठेला लेकर काम ढूंढने निकल पड़े ।

कविता

राजेश 'भारती'

रोटी का हिस्सा

रोटी बनाते वक़्त, माँ अक्सर कहती थी
थोड़ा-सा आटा बचा लिया कर
पंछी भी भूखे नहीं रहने चाहिए

अब मैं शहर में रोटी तोड़ता हूँ
पर खिड़की के बाहर, पंछी नहीं
बस धूल उड़ाती गाड़ियाँ हैं

क्या बचाऊँ मैं ? माँ की वो बात
या वो भूख, जो अब मेरे भीतर भी
कहीं पंख फड़फड़ाती है।

कवि और गीतकार वीरेन्द्र कुमार शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य की चुनौतियों को लेकर कहना है कि इस इंटरनेट युग में हर कोई सोशल मीडिया पर अपनी अभिरुचि की सामग्री तलाश कर ज्ञान पाना चाहता है, लेकिन यह सत्य है कि गुरुओं के सानिध्य के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसलिए इस बदलते परिवेश में वरिष्ठ साहित्यकारों और लेखकों की पुस्तकों का अध्ययन करने से लेखनी को यशस्वी किया जा सकता है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

मानवीय मूल्यों को जीवंत रखने में साहित्य अहम : वीरेन्द्र 'मधुर'

भारतीय संस्कृति में सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य संवर्धन की भी अहम भूमिका मानी जाती है। इसलिए साहित्य के क्षेत्र में लेखक और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य सृजन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शामिल वरिष्ठ साहित्यकार वीरेन्द्र कुमार शर्मा भी सामयिक विषयों और सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर कविताएं, गीत, गजल, मुक्तक और आलेख जैसी रचनाओं के संसार को दिशा देने में जुटे हैं। उन्होंने हिंदी और हरियाणवी भाषा में साहित्यिक साधना के साथ सामाजिक सेवा को भी सर्वोपरि रखा है। वरिष्ठ साहित्यकार, कवि एवं गीतकार वीरेन्द्र 'मधुर' ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिनमें साहित्य संवर्धन में सभी भाषाओं के सम्मान के साथ मानवीय मूल्यों को जीवंत रखना संभव है। वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि वीरेन्द्र 'मधुर' का जन्म 1 जनवरी 1958 को यूपी के मुजफ्फरनगर में रामेश्वर प्रसाद शर्मा एवं सुशीला देवी के घर में हुआ।

परिवार में हालांकि कोई साहित्यिक माहौल नहीं था, लेकिन उनके दादा मूल चंद शर्मा शिक्षक रहे। वीरेन्द्र की प्राथमिक शिक्षा शहर की प्राइमरी पाठशाला में हुई, जहां उनके प्रथम गुरु मोहम्मद इकबाल बने। इन्हें पहली बार साल 1968 में कक्षा पांच के दौरान स्कूल में मंच मिला। स्कूल में वे साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी मंचन के साथ ड्रामा, डांस और गाना बजाना भी भी करने लगे। उन्होंने कक्षा छह से आठ तक स्कूल में अंताक्षरी, वाद-विवाद और अभिनय में हमेशा प्रथम स्थान हासिल करके हैट्रिक अपने नाम की। रसायन विषय से एमएससी की डिग्री के बाद उन्होंने सरकारी और गैर सरकारी केमिकल प्रतिष्ठानों 32 साल तक नौकरी और व्यवसाय किया। इसके बावजूद उन्होंने अपनी साहित्यिक और सांस्कृति अभिरुचि से नाता नहीं तोड़ा और हारमोनियम और तबला भी सीखकर अपनी विधा को लगातार धार दी। बकौल वीरेन्द्र कुमार शर्मा, उन्होंने साल 1974 में रचना गीत जब पीहू पीहू, इस रेत के शहर में, रिमझिम आया सावन, कहां से लाऊं बचपन अपना, जैसे गीत लिखना शुरू किया, जिन्हें सराहते हुए एक प्रख्यात कवि ने उन्हें मधुर नाम दिया। उनके ये गीत काफी प्रचलित भी हुए। साल 1985 में वह परिवार के साथ हरियाणा के रोहतक आए, जहां उन्होंने एक कैमिकल प्रतिष्ठान में नौकरी की और उसके बाद रोहतक में ही बस गये। परिवार में बेटों के रोजगार लगने के बाद वे अपने साहित्यिक लेखन को आगे बढ़ाते रहे और हरियाणवी संस्कृति में रमना शुरू कर दिया। हालांकि उन्हें हरियाणा में भाषा विशेष के कारण परेशानी का भी सामना किया, जहां अलग पड़े धड़ों में हिंदी गीत को रागिनी के प्रचलन में रखना एक कठिन डगर रही लेकिन उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और साहित्य सृजन में तपस्या, मेहनत और अभ्यास ने उनके साहित्यिक लक्ष्य को बुलंदियां दी।

उन्होंने म्हारे गाम की छोरी, कदे कदे न्यू धड़के सै, जैसे अनेक हरियाणवी गीत व कविताएं भी लिखी हैं। उनकी रचनाओं का फोकस सामयिक और सामाजिक सरोकारों के मुद्दों, अंधविश्वास, मानव एकता, देशभक्ति जैसे विषयों पर रहा है। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी और काव्य मंच के संयोजक व संचालन का दायित्व निभाना उनके लिए गर्व का विषय है। उनका सौभाग्य रहा कि उन्हें वरिष्ठ साहित्यकारों व कवियों के साथ मंच साझा करने और काव्य पाठ करने का मौका मिला। इन्होंने साल 2017 में दुबई (यूएई) की विदेश यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति से जुड़े गीत और काव्य पाठ किया है। वह रोहतक की कला परिक्रमा, पंजाबी साहित्यकार मण्डल, विजन फाऊण्डेशन, टैगोर काउंसिल आफ आर्ट रोहतक जैसी कई साहित्यिक, सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं।

वहीं वे संस्कार भारती रोहतक जिला इकाई के साहित्य प्रमुख भी रह चुके हैं। आकाशवाणी, डीडी न्यूज जयपुर और आकाशवाणी नई दिल्ली व हिसार से भी उनकी कविताओं और गीतों का प्रसारण हो चुका है। उनकी रचनाएं देश के प्रतिष्ठत पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

गीतकार वीरेन्द मधुर की प्रकाशित एक दर्जन पुस्तकों में गीत संग्रह 'गलता हुआ हिमानी', 'भ्रूण के पहरुए', 'कोहराम जिंदगी का', कविता संग्रह आसमान लुटता है व साँझ मेरे आँगन आयी, गजल संग्रह आवाज का जंगल, कहानी संग्रह वापस गांव की ओर, भक्तिगीत काव्य संग्रह हरि मन मनके सुर्खियों में हैं। उन्होंने काव्य संग्रह मुक्तक वाटिका और बच्चों के लिए हंसता बचपन शीर्षक से भी पुस्तक लिखी हैं। इन्होंने कला परिक्रमा संग्रह रचनाएं भी लिखी हैं।

वीरेन्द्र 'मधुर'

पुरस्कार व सम्मान

वरिष्ठ कवि एवं गीतकार वीरेन्द्र मधुर को साहित्यिक सेवाओं के लिए अनेक पुरस्कार मिले हैं। प्रमुख रूप से उन्हें हिन्दी साहित्य श्री सम्मान, हंस पुरस्कार, अजमेर मोर स्मृति साहित्य सम्मान, काव्य-भूषण सम्मान, साहित्य सम्मान, प्रज्ञा साहित्य मंच का 'साहित्य सोम' सम्मान मिले हैं। वहीं जयपुर, मेरठ, नांदूरा, हिंदी साहित्य अकादमी दिल्ली, कला संगम दिल्ली, भारतीय महोत्सव समिति श्रीगंगानगर जैसी सामाजिक एवं साहित्यिक संस्थाओं से सम्मान दिया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : वीरेन्द्र 'मधुर'
जन्मतिथि : 1 जनवरी 1958
जन्म स्थान : मुजफ्फरनगर (यूपी)
वर्तमान निवास : रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : एम.एस.सी. (रसायन)
संप्रति : लेखक, कवि एवं गीतकार

सावन का दर्पण है 'मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य'

पुस्तक : मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झन्डई
मूल्य : 299 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन, जयपुर

पुस्तक समीक्षा

सुशील सैनी

लघु कविता संग्रह 'मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य' में रचनाकार डॉ. हरीशचंद्र झन्डई ने प्रकृति का बखूबी वर्णन किया है। संग्रह में तमाम कविताएं मुम्बई शहर पर आधारित हैं। कवि के अनुसार उन्हें खराब स्वास्थ्य के चलते मुंबई महानगर में जाकर रहना पड़ा, तब सावन का महीना था। इसी दौरान इन लघु कविताओं को लिखने की प्रेरणा मिली।

कवि ने शायद इसी कारण इस संग्रह में मुंबई के सावन को लघु कविताओं का आधार बनाया है। उदाहरण देखिए, 'सावन की मस्ती' में - लगती है जब सावन झड़ी/ टिप-टिप करती हैं बारिश की बूँदें।' सावन में धरती बारिश से भीग जाती है, (सावन से भीगी धरती)। धूप में बरसता सावन के बूँदों की/चमक है निराली (धूप में बरसता सावन)। कवि ने वर्षा का चित्रण इस प्रकार किया है- छम-छम करती वर्षा/ठण्डी-ठण्डी हवाएँ (वर्षा की फुहारें)। बरसात रुक-रुक कर हुई तेज़ वर्षा/बरस रहे मेघ (बरस रहे मेघ) कई बार बादल आसमान घेर लेते हैं- घिर-घिर आये/सावन के बादल/गरजते, बरसते (बादलों ने आसमान को घेरा)।

इसी प्रकार, सावन की बारिश में भीगी भीगी लड़की/प्राकृतिक सौंदर्य से चेहरे पर भी मुस्कान। सावन की हवाएँ, सुहावनी हवाएँ भी कह रहीं और सुहावनी रात गीत गाती हैं (सुहावनी रात)। हम कह सकते हैं कि इस संग्रह की ज्यादातर कविताएं बारिश का ही वर्णन करती प्रतीत होती हैं। तरह-तरह की इनकी है/ प्राकृतिक रँग-बिरँगी पोशाक (पक्षियों की प्रकृति) और 'सावन में पक्षी 'उड़ते हैं- पक्षियों की होती है उड़ान / एक दिशा से दूसरी दिशा तक। ऐसे समय में प्रवासी पक्षी भी दिखाई देते हैं- आते हैं प्रवासी खूबसूरत पक्षी (खूबसूरत पक्षी) 'चली हवाएँ' और 'बहारों के सपने' में कवि ने मंद-मंद हवा और फूलों की बात कही है। 'पतझड़' में छाया है निराला पतझड़/कल आएगा बसन्त लेकर, कवि के आशावादी दृष्टिकोण को दिखाता है। बरसात के अतिरिक्त कवि ने मुम्बई के दर्शनीय स्थलों जैसे 'जुहू चौपाटी' और 'मरीन ड्राइव' 'एलीफैंट गुफ़ाएं' पर भी लेखनी चलाई है। 'पेड़ लगाओ काटना बंद करो' के जरिए कवि ने पौधरोपण का भी आह्वान किया है। वे कहते हैं- विकास से प्रदूषित है पर्यावरण/ दहक रहे जंगल सिसक रहा है पर्यावरण (दरकते जंगल सिसकता पर्यावरण)। इस संग्रह में करीब एक सौ लघु कविताएं सम्मिलित हैं। इनकी भाषा सहज और सरल है। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

आज तीन घंटे गुल रहेगी बिजली

बहादुरगढ़। सेक्टर 9, 10 व आर्य नगर स्थित कई कॉलोनियों में सोमवार को तीन घंटे तक बिजली गुल रहेगी। मेंटेनेंस कार्य के चलते बिजली निगम की ओर से सुबह सात से दस बजे तक का कट घोषित किया गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने कहा है कि गर्मी के इस मौसम में लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए निगम प्रयासरत है। सेक्टर 10 में 33 केवी लाइन की मरम्मत की जाएगी।

वातावरण में हुई उमस ने बढ़ाई परेशानी

झज्जर। पिछले दिनों आई बरसात के बार बढ़ी गर्मी से वातावरण में उमस पैदा हो गई है। लोग दिन भर पसीने से तर-बदतर रहते हैं। रविवार को जहां दिन में तेज धूप निकली वहीं शाम के समय आसमान पर छाये बादलों के कारण तापमान में गिरावट आई। दिन का अधिकतम तापमान जहां 35 डिग्री सेल्सियस रहा वहां न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आईटीआई गुढ़ा में रोजगार मेला आज

झज्जर। सोमवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान झज्जर एट गुढ़ा में अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में एडीसी जगनिवास बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। आईटीआई के प्राचार्य एवं जिला नोडल अधिकारी जीतपाल ने बताया कि मेले में 50 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी।

दुकानदार को चूना लगा गया पड़ोसी

बहादुरगढ़। सेक्टर 12 में एक दुकानदार को उसके पड़ोसी ने चूना लगा दिया। शातिर पड़ोसी दस मिनट का नाम लेकर स्कूटी ले गया लेकिन वापस नहीं आया। कई दिन तलाशने के बाद अब दुकान मालिक ने उसकी शिकायत पुलिस को दी है। सदर थाना पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। वारदात सुरेश के साथ हुई है। सुरेश का कहना है कि वह पेशे से बाइक मिस्त्री है।

पितरों की याद में हर परिवार लगाए पौधे : निगमायुक्त

अनमोल विरासत कार्यक्रम में त्रिवेणी लगाने वाले परिजनों का किया सम्मान

- पितरों की छांव संगठन सदस्यों की प्रशंसा की, कहा इस तरह की सामाजिक मुहिम जरूरी
- ओल्ड आईटीआई स्थित पार्क में संगठन की ओर से अनमोल विरासत कार्यक्रम हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। ओल्ड आईटीआई स्थित पार्क में अनमोल विरासत कार्यक्रम में मौजूद पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर व आयोजक।

पितरों की याद में बनाए गए संगठन पितरों की छांव व आर्य समाज शिवाजी कॉलोनी के संयुक्त तत्वावधान में ओल्ड आईटीआई स्थित पार्क में अनमोल विरासत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नगर निगम आयुक्त डॉक्टर आनंद शर्मा रहे। उन्होंने कहा पितरों की याद में हर परिवार को पौधे लगाने चाहिए। इससे जहां नहरों का जल स्वच्छ रहेगा वहीं , आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ हवा मिलेगी। क्योंकि हर धर्म में पितरों को याद किया जाता है और पौधरोपण से पूर्वजों से हमेशा जुड़ाव बना रहेगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे नगर निगम आयुक्त डॉक्टर शर्मा ने कहा कि संगठन की यह मुहिम काबिले तारीफ है। आज नहरों को बचाना जरूरी है। करीब दो दर्जन परिवारों ने अपने पूर्वजों की याद में त्रिवेणी लगाई है, यह एक नई शुरुआत है। संगठन के प्रधान और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा कि कुछ साथियों ने सुझाव दिया और उस पर सभी के साथ मिलकर काम करने का निर्णय लिया। हम सभी श्मशान घाट से फूल उठाते हैं और उन्हें गंगा या फिर अन्य नहरों में प्रवाहित कर देते हैं। अब वक्त जागने का है और हमें जल को प्रदूषण से बचाना है वही हवा को स्वच्छ भी करना है, इसलिए निर्णय लिया गया कि पूर्वजों की याद में लोग त्रिवेणी का पौधा लगाए ताकि उस पौधे से एक यादगार जुड़ी रहे। पूर्व मंत्री ने कहा कि खुशी की बात है कि कुछ दिनों में करीब दो दर्जन परिवारों ने इस मुहिम का हिस्सा बनकर अपने पूर्वजों की याद में त्रिवेणी लगाई है। त्रिवेणी के पौधे में पूर्वजों की राख का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि इस सामाजिक अभियान का हिस्सा बने। कार्यक्रम में पूर्वजों की याद में त्रिवेणी लगाने वाले परिवारों को पौधरोपण के फोटो सम्मान स्वरूप दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य वेद प्रकाश ने की जबकि विशिष्ट अतिथि पंडित ओमप्रकाश शर्मा व प्रेम बगिया थे। मंच संचालन आचार्य जितेंद्र ने किया। उन्होंने संगठन के उद्देश्य पर विस्तृत प्रकाश डाला।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी और आम नागरिकों ने शिरकत की। इस मौके पर भाजपा पार्षद कपिल नागपाल, पार्षद सुरेश किराड़, समाजसेवी पवन आहूजा, एडवोकेट अशोक पसरिजा, ईश्वर सिंगल, विकास बंसल, दीपू नागपाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

रोहतक। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

रोहतक क्षेत्र का निरंकारी बाल संत समागम सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

संत निरंकारी मिशन द्वारा गोहाना अड्डा स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में निरंकारी बाल संत समागम का सफल आयोजन किया गया। इस समागम में शाखा रिठाल, सांपला, कटवाड़ा, अटैल एवं महम की बाल संगत एवं संत जनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई, जिसके बाद एक से बढ़कर एक प्रभावशाली प्रस्तुतियां दी गईं , जिनमें एकल विचार, समूह गीत, भक्ति कविता, गीत-संगीत एवं एक्शन सॉन्ग शामिल रहे। सभी प्रस्तुतियों ने संत निरंकारी मिशन के मूल संदेशों जैसे ब्रह्मज्ञान, मानव एकता, प्रेम, विनम्रता, सेवा एवं सहनशीलता को सुंदरता से उजागर किया। इस अवसर पर हेमंत निरंकारी संयोजक, रोहतक शाखा ने समागम को संबोधित करते हुए कहा कि बचपन से ही बच्चों में आध्यात्मिक संस्कारों का बीजारोपण ही भविष्य में एक स्वस्थ, शांतिपूर्ण और प्रेममय समाज की नींव रखता है। यह बाल समागम आत्मिक विकास और संस्कारों की प्रयोगशाला है, जिसमें बच्चों ने उत्कृष्ट भागीदारी से मिशन के विचारों को जीवंत किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी बच्चों एवं श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई।इस अवसर पर ली गई तस्वीरें मिशन के प्रचार के साथ-साथ बच्चों की स्मृतियों में भी अमिट रहेंगी।

शहीद भगत सिंह युवा ब्रिगेड की राज्य स्तरीय बैठक रोहतक के रैनकपुरा गांव में सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहीद भगत सिंह युवा ब्रिगेड की राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन रैनकपुरा में किया गया। बैठक में प्रदेशभर से आए संगठन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता नवीन सरपंच चीरी व संजीत तबलाना झज्जर ने की।

बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना, युवा जागरूकता अभियानों की रूपरेखा तय करना तथा आगामी कार्यक्रमों की योजना बनाना था। विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की और संगठन के विस्तार पर विचार-विमर्श किया।

संयोजक करतार पहलवान ने अपने संबोधन में युवाओं से देशभक्ति, समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील की। बैठक में निर्णय लिया गया कि ब्रिगेड द्वारा आने वाले समय में प्रदेश स्तर पर शहीदी सप्ताह, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, शिक्षा जागरूकता रैलियाँ आयोजित की जाएंगी और 5 से 7 हजार युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा। बैठक में मुख्य रूप से गौरव मढ़ान अम्बाला , दीपक तेवतिया पलवल, ममता पार्षद रोहतक, सुमित डागर रोहतक, नवीन दलाल मांडोठी, प्रवीण सरपंच चरखी दादरी, सुनील कुण्डू हिसार, सुरेन्द्र बिसला जींद, राहुल चौधरी गुरुग्राम, संदीप बेरी झज्जर, भूदेव डागर घुघेरा आदि उपस्थित रहे। बैठक का समापन राष्ट्रगान और 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारों के साथ हुआ। सभी सदस्यों ने संगठन को सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

रोहिल्ला समाज की मांग, बसंत पंचमी पर हो राष्ट्रीय अवकाश

- पुणे में होगा राष्ट्रीय एकात्मता विश्व महासम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहिला संस्था हरियाणा की उपाध्यक्ष सुशीला अपूर्वा ने राज्य सरकार से बसंत पंचमी के अवसर पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग की है। पुणे में होने वाले संत शिरोमणि नामदेव महाराज राष्ट्रीय एकात्मता विश्व महासम्मेलन की तैयारियों के लिए आयोजित हुई राष्ट्रीय बैठक में भाग लेकर लौटी सुशीला ने बताया कि इस महासम्मेलन में शामिल होने के लिए हरियाणा के भारी संख्या में रोहिला, शिंपी, दर्जी, छिपा, टांक, मेहरू आदि खापों के लोग शामिल होंगे। इसके लिए वह प्रदेश के विभिन्न शहरों का दौरा करके लोगों को जनवरी माह में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय महासम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रेरित करेंगी। इस निमंत्रण अभियान की शुरुआत रोहतक से की जाएगी। सुशीला अपूर्वा ने कहा कि राष्ट्रीय एकात्मता सम्मेलन के माध्यम से रोहिल्ला समाज के लोग राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे और अपनी मांगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष रखेंगे।

ईरान पर अमेरिकी के हमले के खिलाफ एसयूसीआई ने किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) ने मानसरोवर पार्क से नेताजी सुभाष चौक तक जुलूस निकाला व ईरान पर अमेरिकी साम्राज्यवाद द्वारा किए गए बर्बर सैन्य हमले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस हमले की कड़ी निंदा की, जिसमें सभी अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन किया गया है, यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की चेतावनियों को भी नजरअंदाज किया गया है और शांतिप्रिय विश्व जनमत का तिरस्कार किया गया है। पार्टी की केंद्रीय कमेटी के पोलित ब्यूरो सदस्य कामरेड सत्यवान ने कहा कि पहले इजरायल को गाजा में नरसंहार करने के लिए उकसाया और निर्दोष व असहाय लोगों को मार डाला। अब ईरान पर अकारण घातक सैन्य हमला किया गया है पार्टी ने दुनिया के सभी शांतिप्रिय लोगों से अपील की है कि वे एकजुट हों और अमेरिका के इस जघन्य आक्रमण के खिलाफ विरोध की आवाज बुलंद करें। साम्राज्यवाद विरोधी भारतीय परंपरा को आगे बढ़ाएं। प्रदर्शन में जयकरण, हरीश कुमार, सतीश, लालजी, नरेंद्र सिंह, रामफल, जगदीश, जगजीत समेत अन्य साथियों ने हिस्सा लिया।

बीजेपी सरकार ने गांव में विकास की गति हुई तेजः कपिल खत्री

सांपला। मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियां को लेकर ग्राम चौपाल लगाई जा रही हैं। खंड के गांव अटायल में लगाई गई चौपाल में मंडल अध्यक्ष कपिल खत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। आज भारत की गिनती प्रगतिशील देशों में होती है। उन्होंने लोगों को ग्रामीण क्षेत्र में चलाई गई केंद्र सरकार की योजना की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि आवास योजना ,आयुष्मान योजना और हर घर जल योजना का लाभ सभी ग्रामीणों को बिना किसी भेदभाव के मिल रहा है। वही सैनी सरकार द्वारा योग्यता के आधार पर नौकरियां दी जा रही है। पिछली सरकारों में भेदभाव के साथ और पर्ची खर्ची के साथ रोजगार दिया जाता था। मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियां को लेकर ग्राम चौपाल लगाई जा रही हैं। इस मौके पर रमेश कुमार ,कृष्ण मालिक, रवि हंसराज सहित कई ग्रामीण थे।

पूर्व विधायक बलराज कुंडू महम को जल्द दे सकते हैं सरप्राइज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

हरियाणा जनसेवक पार्टी के नेता एवं पूर्व विधायक बलराज कुंडू अगले महीने महम हलके के लोगों को एक सरप्राइज दे सकते हैं। उनके मन में कुछ खास उठा पटक चल रही है, जिससे लगता है कि वे फिर से महम हलके में समाजसेवा के कार्यों को गति देते हुए दिखाई दे सकते हैं। इससे पूर्व वे अपने कार्यकर्ताओं व समर्थकों के संग मीटिंग रखेंगे। कार्यकर्ताओं के साथ होना वाला यह कार्यक्रम बड़ा हो सकता है। इसमें सभी कार्यकर्ताओं को बुलाया जाएगा। इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं से सलाह मशविरा करके ही आगे की समाजसेवा व पार्टी संबंधि गतिविधियों पर निर्णय लिया जाएगा। हालांकि वे चुनाव के बाद से ही हलके में सक्रिय हैं और लोगों के सुख दुख में सरीक होते हैं। हफ्ते दस दिन में महम स्थित पार्टी कार्यालय में वर्कर मीटिंग करते रहते हैं। लेकिन अब वे कुछ ऐसा करने वाले हैं, जो हलका महम के लोगों के लिए खास सौगात हो सकती है। आने वाले महीनों में उनकी सक्रियता पहले से अधिक बढने वाली है और हलका महम के लिए विशेष योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उनकी समाजसेवा की गतिविधियां बढ़ते ही उनके विरोधियों की धड़कने तेज हो जाएंगी। खैर यह तो समय ही बताएगा कि वे हलका महम के लोगों के लिए क्या योजना लेकर आ रहे हैं। उनके मन में क्या चल रहा है, यह पत्ता तो उन्होंने अभी नहीं खोला है, लेकिन उनके नजदीकियों का कहना है कि वे जल्द ही कुछ बड़ा करने वाले हैं।हरियाणा जनसेवक पार्टी के नेता एवं पूर्व विधायक बलराज कुंडू अगले महीने महम हलके के लोगों को एक सरप्राइज दे सकते हैं। उनके मन में कुछ खास उठा पटक चल रही है।

हरियाणा पुलिस ने गैंगस्टर राकेश कादियान को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। स्पेशल सेल ने कुख्यात बदमाश और गैंगस्टर राकेश उर्फ पम्पू को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली में अपने गिरोह की गतिविधियों को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है। इसके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और चार कारतूस बरामद किये गये। आरोपी मुरथल के वीर ढाबा में दीपक उर्फ भांजा की सनसनीखेज हत्या के मामले में वांछित था। सोनीपत पुलिस आयुक्त की तरफ से इसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसार राकेश कादियान (39) उर्फ पम्पू पुत्र बलराज सिंह निवासी वीपीओ सिवाह, पानीपत का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। वह पहले हत्या के प्रयास, हत्या, जबरन वसूली और हमले आदि के कई मामलों में शामिल रहा है। रविवार को पुलिस को इसके बारे में सूचना मिली। इसके बाद रोहिणी में ट्रैप लगाकर ब्रेजा कार को रोका गया और इसे काबू कर लिया गया।

योगिनी एकादशी पर कीर्तन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डेरा बाबा लक्ष्मणपुरी महाराज गौकर्ण तीर्थ पर पावन योगिनी एकादशी के अवसर पर नौका विहार उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस विशेष आयोजन में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही। उपाचार्य बाबा कपिल पुरी के सान्निध्य में कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें भजन-कीर्तन के माध्यम से भक्तों ने भक्ति रस में डूबकर भगवान का स्मरण किया। नौका विहार उत्सव के दौरान तीर्थ स्थल की झील में सजीव झांकी निकाली गई, जिसने सभी को आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर कर दिया। कीर्तन के दौरान भक्तों ने बाबा कपिल पुरी के नेतृत्व में सामूहिक रूप से भजन गाए और धर्म के प्रति आस्था प्रकट की। बाबा कपिल पुरी ने इस अवसर पर कहा कि योगिनी एकादशी का विशेष महत्व है, और इस दिन उपवास, भजन-कीर्तन तथा पुण्य कर्म करने से जीवन में शांति व मोक्ष की प्राप्ति होती है। डेरा प्रबंधन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था भी की गई।

सेक्टर तीन के पॉलीक्लीनिक में उत्साह के साथ मनाया 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

योग रामबाण, सभी को बनाए रखता स्वस्थ : डॉक्टर कुसुम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। आयुष विभाग के योग प्रशिक्षक अमित और मोहित योगाभ्यास कराते हुए।

योग केवल शरीर और मन का ही नहीं बल्कि प्रकृति और जीवन का भी संतुलन है। सेक्टर तीन के पॉलीक्लीनिक में शनिवार को 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। आयुष विभाग की तरफ से आए योग प्रशिक्षक अमित और मोहित ने योगाभ्यास करवाया साथ ही योगाभ्यास कर रहे सभी लोगों को स्वस्थ रहने के टिप्स भी दिए। योगाभ्यास का शुभारंभ पॉलीक्लीनिक की कार्यकारी एसएमओ डाक्टर कुसुम दहिया ने किया। डॉक्टर कुसुम दहिया ने कहा कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में तनाव हर किसी को है। उम्र बढ़ने के साथ कई समस्याएं आती जैसे जोड़ो का दर्द, नींद की कमी, थकान आदि इसके लिए योग एक रामबाण है जो सभी आयु के लोगों को स्वस्थ बनाए रखता है। इसे सभी को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। इस अवसर पर योगाभ्यास को लेकर पॉलीक्लीनिक के फार्मेसी अधिकारी जय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि योग हमारे जीवन का वह हिस्सा है जो शरीर, मन और आत्मा को जोड़ता है। योग केवल एक व्यायाम नहीं बल्कि एक जीवन शैली है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में एएमओ डॉ. रजनी, होमियोपैथी विशेषज्ञ डॉ अरिंदम रॉय, नसिंग अधिकारी सोनू व पंचकर्म टेक्निशियन बबिता, सुनीता, विकास कुमार, राहुल ने विशेष योगदान दिया। इस योगाभ्यास कार्यक्रम में आसपास के गणमान्य लोग अपने बच्चों के साथ पहुंचे।

नियमित रूप से सफाई ने होने मंढराया बीमारियों का खतरा

गंदगी से आजाद चौक मार्केट के दुकानदार परेशान

- गंदगी से अटे पड़े हैं नाले, प्याऊ के पास भी लगे रहते हैं कूड़े के ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। कस्बा महम में आजाद चौक स्थित प्याऊ के पास लगे कूड़े के ढेर।

महम के बाजार के बीच में आजाद चौक स्थित है। यह शहर का मुख्य चौराहा है। यहां से ही शहर मेन बाजार, छोटा बाजार, पालिका बाजार और थाना रोड मार्केट की ओर सड़कें जाती हैं। इस चौक पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा लगी हुई है। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन से पहले समारोह के मुख्य अतिथि यहीं पर सबसे पहले पहुंचकर नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हैं। लेकिन नगर पालिका अधिकारियों की अनदेखी वजह से आजकल यही आजाद चौक दुर्दशा का शिकार बना हुआ है। इस चौक पर गंदगी के ढेर लगे रहते हैं। पिछले एक साल से यहां पर गलियों और नालियों की नियमित साफ सफाई नहीं हो रही। पंचायत महाजनान धर्मशाला के सेक्रेटरी अजय सिंगला ने बताया कि हालात इतने खराब हो गए हैं, कि आजाद चौक मार्केट के सभी नाले गंदगी से अटे पड़े हैं। ऊपर से बारिश का मौसम आ गया है। यदि थोड़ी सी भी बारिश हुई तो यहां हालात बेकाबू हो जाएंगे और बारिश का गंदा पानी व कीचड़ दुकानों में घुस जाएगा। जिससे दुकानदारों और व्यापारियों को भारी नुकसान हो सकता है। अजय सिंगला ने बताया कि एक साल पहले तक यहां पर नगर पालिका का एक कर्मचारी रोजाना नालों की सफाई करता था। एक वर्ष पूर्व वह सेवानिवृत हो गया। जब से वह रिटायर हुआ है। उसके बाद यहां पर 15 दिन में सफाई कर्मचारी आते हैं। उस दिन भी ठीक से नालों व गलियों की सफाई नहीं होती। गर्मी का मौसम है। लोग प्यास बुझाने के लिए आजाद चौक की प्याऊ पर पानी पीने आते हैं, तो उनको पहले कूड़े के ढेर के ऊपर से गुजरना पड़ता है, क्योंकि प्याऊ के सामने कूड़े के ढेर लगे रहते हैं।

जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

स्थानीय दुकानदारों ने जिला उपायुक्त से नगर पालिका अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। कहा है कि मेन बाजार में ही सफाई नहीं हो रही तो नगर पालिका के अधिकारी व कर्मचारी कर क्या रहे हैं। यदि नगर पालिका अधिकारियों पर सख्त एक्शन नहीं लिया गया तो महम शहर के व्यापारी नगर पालिका कार्यालय के गेट पर धरना देने पर मजबूर हो जाएंगे।

रोहतक। माता परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक जताने पहुंचे शहरवासी। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। माता परमेश्वरी देवी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए महंत सतीश दास। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। माता परमेश्वरी देवी जी के निधन पर परिवार को ढांढस बंधाने पहुंचे लोग। फोटो : हरिभूमि

सेक्टर 14 स्थित सिंधु भवन में शोक जताने पहुंचे लोगों ने व्यक्त किए अपने विचार

माता परमेश्वरी देवी जी ने समाज के लिए बहुमूल्य योगदान दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

माता परमेश्वरी देवी जी ने अपना संपूर्ण जीवन लोगों के कल्याण के लिए लगा दिया। उनके जाने से समाज में जो खालीपन आया है उसकी भरपाई समय भी नहीं कर पाएगा। आर्य समाज के लिए भी परिवार के बहुमूल्य योगदान को समाज में हमेशा याद रखा जाएगा। यह उद्गार माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देने आए हरियाणा भर के लोगों ने व्यक्त किए। उन्होंने श्रद्धांजलि देते हुए प्रार्थना की कि परमपिता परमेश्वर माता जी को अपने चरणों में स्थान दें और परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

शोक जताने के लिए पहुंचने वालों में डीसी रोहतक धर्मेंद्र सिंह, पूर्व विधायक शशी परमार, भाजपा नेता रमेश बोहर, गठवाला खाप प्रधान बलजीत सिंह मलिक, पूर्व चेयरमैन विकास निगम हरियाणा कुमारी सुनीता चौहान, दयानंद कौशिक, इंद्र सिंह ढुल एडवोकेट, संयुक्त आयुक्त जीएसटी अम्बाला एसके बोरवाल, गोपाल शर्मा पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा फरीदाबाद,

■ आर्य समाज के लिए भी परिवार के बहुमूल्य योगदान को समाज में याद रखा जाएगा।

दिनेश गोयल पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा झज्जर, दीपक शर्मा भाजपा जिला प्रभारी हांसी, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, भाजपा जिलाध्यक्ष रणवीर ढाका, भाजपा वरिष्ठ नेता प्रदीप जैन, भाजपा नेता संचित नांदल, भाजपा ने हिमांशु ग्रोवर, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर खरक, भाजपा नेता तरुण सन्नी, राजकुमार कपूर, डॉ दिनेश शास्त्री, पूर्व कुलपति डॉ सुखबीर सिंह सांगवान व डॉ कृष्णा सांगवान आदि पहुंचे।

जन सेवा में लगाया जीवन : सुनारिया पुलिस सेंटर के आईजी शिवचरण अत्री ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि माता जी ने अपना संपूर्ण जीवन जन सेवा में लगा दिया। उनके संस्कारों की छवि परिवार में देखने को मिलती है।

समाज के बहुत बड़ी क्षतिः पूर्व मंत्री सुभाष बतरा ने माता जी के निधन को समाज के बहुत बड़ी क्षति बताया। उन्होंने कहा ऐसे व्यक्तितत्व के जाने से समाज का नुकसान हुआ है। स्वर्गीय मित्रसेन सिंधु जी ने भी जीवन भर जन कल्याण के रास्ते पर चलकर समाज को रास्ता दिखाया।

बहुत बड़ा नुकसान हुआ

शोक जताने पहुंचे भाजपा पूर्व प्रदेश महामंत्री वीर कुमार यादव ने कहा कि माताजी के जाने से बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। उनके संस्कार समाज को अच्छे मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

वीरेश शांडिल्य

माता परमेश्वरी देवी धर्मनिष्ठ और संस्कारवान महिला थीं

रोहतक। एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विश्व हिन्दू तख्त के प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने सिंधु भवन पहुंचकर शोक संतप्त परिवार से भेंट की और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने माताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उनके साथ एडवोकेट वासु रंजन शांडिल्य, गुलशन शर्मा, लवली शर्मा, प्रेम सागर शर्मा, आशीष शर्मा, अनीश शर्मा, शिव रंजन भी मौजूद रहे। वीरेश शांडिल्य ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि माता परमेश्वरी देवी एक धर्मनिष्ठ और संस्कारवान महिला थीं, जिनके द्वारा दिए गए संस्कार सिंधु परिवार में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि कैप्टन अभिमन्यु व उनके परिवार का सामाजिक व राष्ट्रीय जीवन में योगदान उनकी पारिवारिक जड़ों और मूल्यों का ही परिणाम है।

मीनू बैनिवाल

जीवनभर दूसरों का कल्याण किया

हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मीनू बैनिवाल ने माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने जीवन भर दूसरों का कल्याण किया और अपने परिवार को ऐसे संस्कार दिए जिसकी वजह से परिवार राष्ट्र के लिए काम कर रहा है।

संचित नांदल

माता परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक जताने पहुंचे भाजपा नेता संचित नांदल।

रामचंद्र जांगड़ा

माता परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक जताने पहुंचे सांसद रामचंद्र जांगड़ा।

डीपी वत्स

माता परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक जताने पहुंचे डीपी वत्स।

माता परमेश्वरी देवी जी के निधन पर परिवार को ढांढस बंधाने पहुंचे लोग।

सीताराम व्यास

माता परमेश्वरी देवी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते आरएसएस नेता सीताराम व्यास।

सुनील सांगवान

माता परमेश्वरी देवी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपा नेता सुनील सांगवान।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
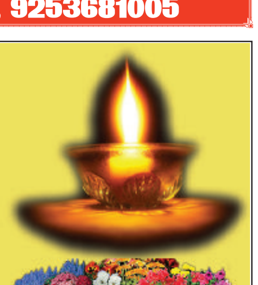
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

बैठक | पोषण से संबंधित जटिल विषयों पर किया मंथन

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में शीघ्र शुरू होगा फंडामेंटल ऑफ न्यूट्रीशन कोर्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, खिलाड़ियों और आमजन के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही फंडामेंटल ऑफ न्यूट्रीशन नामक विशेष वैल्यू एडेड कोर्स आरंभ किया जाएगा। इस निर्णय को अंतिम रूप देने हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एचएल वर्मा एवं इंटेक वेलनेस, मुंबई की निदेशक एवं प्रसिद्ध सेलिब्रिटी न्यूट्रीशनिस्ट कुमारी निकिता गर्ग के मध्य एक महत्त्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में पोषण से संबंधित अनेक जटिल विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इसमें इस बात पर विशेष बल दिया गया कि किस प्रकार आहार के माध्यम से व्यक्ति न केवल स्वस्थ रह सकता है, अपितु अनेक मानसिक और शारीरिक रोगों से भी बचाव कर सकता है। कुमारी निकिता गर्ग ने अपने व्यावहारिक अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि पेट भर भोजन करते हुए भी वजन को

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक में कुलपति प्रोफेसर एच. एल. वर्मा के साथ सेलिब्रिटी न्यूट्रीशनिस्ट कुमारी निकिता गर्ग ।

नियंत्रित किया जा सकता है। परंपरागत भारतीय खाद्य पदार्थ जैसे घी, दूध, मक्खन एवं दही— संतुलित मात्रा में सेवन करने पर न केवल शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं, बल्कि डायबिटीज, मानसिक तनाव, और अन्य चयापचयी बीमारियों से भी बचाते हैं। उन्होंने कोर्स की विशेषताएं बताते हुए कहा कि यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम फंडामेंटल ऑफ न्यूट्रीशन शीर्षक से शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा। दो सप्ताह की अवधि वाले इस कोर्स में पोषण के मूलभूत सिद्धांतों, शरीर की आवश्यकताओं, विशेष रोगों के अनुसार डाइट प्लान, और दैनिक जीवन में संतुलित आहार के महत्व को सरल भाषा में समझाया जाएगा।कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले विद्यार्थी—व्यक्तिगत डाइट प्लान तैयार कर सकेंगे, स्वतंत्र रूप से पोषण सलाहकार के रूप में कार्य कर सकेंगे, अपने घर से ऑनलाइन/ऑफलाइन पोषण सेवाएं प्रारंभ कर सकेंगे,विभिन्न संस्थानों, खेल अकादमियों और फिटनेस सेंटरों में अवसर प्राप्त कर सकेंगे। समाज की वर्तमान आवश्यकता को ध्यान में रखकर यह कोर्स एक दूरदर्शी कदम सिद्ध होगा, क्योंकि आज के दौर में हर घर में यह चिंता आम है कि क्या खाएं और क्या न खाएं। ऐसे में वैज्ञानिक, व्यावहारिक और भारतीय जीवनशैली पर आधारित न्यूट्रीशनल ज्ञान युवाओं को केवल रोजगार के नए रास्ते देगा।

वीसी प्रो. एच एल वर्मा ने किया उत्साहवर्धन

इस अवसर पर कुलपति प्रो. एच. एल. वर्मा ने निकिता गर्ग का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया और उनके अनुभवों को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्पद बताया। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाना है। यह कोर्स युवाओं को स्वावलंबन, स्वास्थ्य और सेवा के क्षेत्र में नई दिशा देगा। बैठक के एमडीयू के सेवानिवृत्त खेल निदेशक प्रो. आर. पी. गर्ग भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि खेल और पोषण का गहरा संबंध है, और इस दिशा में विश्वविद्यालय का यह प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय है।

भागदौड़ भरी दिनचर्या में योग की अहमियत बढ़ी

रोहतक। केनरा बैंक द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय शीला बाईपास में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष पर "योग संगम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, अतुल बंसल, क्षेत्रिय प्रमुख, केनरा बैंक ने आज की भाग दौड़ भरी दिनचर्या में योग की अहमियत पर जोर देते हुए प्रतिदिन सभी से योग को अपने शारीरिक व मानसिक स्वास्थय के लिए अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षिका मनीषा नांदल ने सभी को योग क्रियाओ, प्राणायाम विभिन्न आसनों से अवगत करवाते हुए प्रशिक्षण दिया। जिनकी सभी ने खूब सराहना की। सभी कर्मचारियों ने प्रशिक्षिका को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

आर्य क्षात्र गुरुकुल में प्रशिक्षण सत्र संपन्न

रोहतक। आर्य क्षात्र गुरुकुल, भाली आनन्दपुर में राष्ट्रीय आर्य क्षत्रिय सभा द्वारा आयोजित क्षात्र प्रशिक्षण सत्र के द्वितीय और तृतीय वर्ष का समापन समारोह हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खरखौदा के विधायक पवन खरखौदा शामिल हुए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार और आर्य समाज मिलकर प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान चला रहे हैं। यह अभियान युवाओं को नशे से दूर रखने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह युवाओं को नशे से बचाने में सहयोग करे। समारोह में अथर्ववेदाचार्य आचार्य हनुमत प्रसाद ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में सकारात्मक सोच लाते हैं। उन्हें सही दिशा में प्रेरित करते हैं। आर्य समाज और हरियाणा सरकार के संयुक्त प्रयास से नशा मुक्ति अभियान को गति मिलेगी। पवन खरखौदा ने कहा 21 जून को भी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने आह्वान किया योग युक्त हरियाणा नशा मुक्ति हरियाणा उसे कार्य को आर्य क्षत्रिय सभा ईमानदारी से पूरा कर रही है। इस मौके पर कुश्ती संघ के महासचिव डॉक्टर राकेश सांगवान, वीरेंद्र कोच, संजीव आचार्य, अशोक पाल, रामवीर, वेद प्रकाश, जितेंद्र आदि उपस्थित रहे।